

## Chapter 4: मेरा भला करने वालों से बचाँ

आकलन | Q 1.1 | Page 17

### QUESTION

लिखिए:

लेखक की चिंता करने वाले

### SOLUTION

लड़कि यों के झुंड क्रेडि ट कार्ड वाला वाटर फिल्टर लगाने वाला चार टिकियों में एक मुफ्त साबुन की टिकिया देने वाला

आकलन | Q 1.2 | Page 17

### QUESTION

लिखिए:

लेखक का योग के प्रति मोह भंग हो गया है

### SOLUTION

एक दिन लेखक योग वालों के दायरे में शामिल हो गए और उन्हें पता चला कि आपको ठहाका लगाने का आधार एक-दूसरे को चुटकुला सुनना है। जब लेखक को योग वालों के ठहाका लगाने का राज समझ में आ गया, तब उनका योग के प्रति मोह भंग हो गया।

आकलन | Q 2 | Page 17

### QUESTION

कारण लिखिए

लेखक की परेशानी के कारण

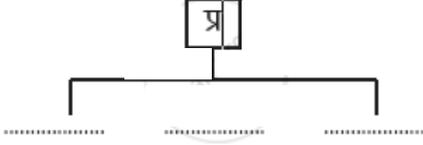
### SOLUTION

समाचार परता के साथ आने वाले ढेर सारे कागज पौफलेट पढ़ने बैठने पर अखबार पढ़ने का वक़्त न बचना

## शब्द संपदा [PAGES 17 - 18]

शब्द संपदा | Q 1.1 | Page 17

उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए:



**SOLUTION**

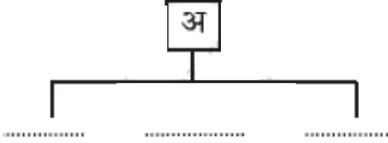
प्र

- प्रगति
- प्रयत्न
- प्रक्रिया

शब्द संपदा | Q 1.2 | Page 17

**QUESTION**

उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए:



**SOLUTION**

अ

- अचल
- अनाथ
- अमर

शब्द संपदा | Q 1.3 | Page 17

**QUESTION**

उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए:



**SOLUTION**

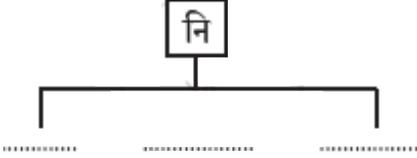
वि

- विजय
- विज्ञानं
- विशेष

शब्द संपदा | Q 1.4 | Page 17

### QUESTION

उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए:



### SOLUTION

नि

- निडर
- नियम
- निरादार

शब्द संपदा | Q 2.1 | Page 18

### QUESTION

प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए  
इ

- (१) \_\_\_\_\_
- (२) \_\_\_\_\_
- (३) \_\_\_\_\_

### SOLUTION

- (१) भक्ति
- (२) उपस्थिथ
- (३) प्रगति

शब्द संपदा | Q 2.2 | Page 18

### QUESTION

प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए  
ता

- (१) \_\_\_\_\_  
(२) \_\_\_\_\_  
(३) \_\_\_\_\_

**SOLUTION**

- (१) साहित्यिक  
(२) धार्मिक  
(३) सामाजिक

शब्द संपदा | Q 2.3 | Page 18

**QUESTION**

प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए  
ता

- (१) \_\_\_\_\_  
(२) \_\_\_\_\_  
(३) \_\_\_\_\_

**SOLUTION**

- (१) महानता  
(२) मानवता  
(३) प्रभुता

शब्द संपदा | Q 2.4 | Page 18

**QUESTION**

प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए  
ईय

- (१) \_\_\_\_\_  
(२) \_\_\_\_\_  
(३) \_\_\_\_\_

**SOLUTION**

- (१) भारतीय  
(२) स्वर्गीय

(3) शासकीय

## अभिव्यक्ति [PAGE 18]

अभिव्यक्ति | Q 1 | Page 18

### QUESTION

मुफ्त में मिलने वाली चीजों के प्रति लोगों की मानसिकतास्पष्ट कीजिए।

### SOLUTION

ग्राहक कोई सामान तभी खरीदता है, जब उसे उसकी आवश्यकता होती है। पर कभी-कभी आवश्यकता न होने पर भी किसी कारण से वह सामान खरीद लेता है। इस कारण में प्रमुख है। उसे कोई-न-कोई लालच दिखाकर सामान खरीदने के लिए प्रेरित किया जाना। इनमें मुफ्त सामान देना, कम कीमत या आधी कीमत में सामान देने का लालच होता है। इस प्रकार के मुफ्त सामान बिक्री केंद्रों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जाती है।

ऐसे बिक्री केंद्रों से लोग मुफ्त सामान के आकर्षण में अनावश्यक सामान भी खरीद लाते हैं। व्यापार का नियम है, घाटे में कोई सीमा न करना। व्यापारी सामान में लगी लागत और अपना नाम लेकर ही चीज बेचता है। कुछ ग्राहकों को इस बात की जानकारी भी होती है कि व्यापारी ग्राहकों को मुफ्त में दिए जाने वाले सामान की कीमत किसी-न-किसी तरीके से निकाल ही लेता है। फिर भी लोग मुफ्त की चीजों को लेने का लालच संवरण नहीं कर पाते और उसका लाभ लेने पहुँच ही जाते हैं।

इसलिए इस तरह के विक्री केंद्रों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जाती है।

## पाठ पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न [PAGE 18]

पाठ पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न | Q 2 | Page 18

### QUESTION

अखबार के दफ्तर से आए दो युवकों से मिले लेखक के अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए।

### SOLUTION

एक दिन लेखक के पास दो युवक आते हैं। वे अपने आप को अखबार के दफ्तर से आया हुआ बताते हैं। वे लेखक से कहते हैं कि वे फिल्में दिखाते हैं और उन पर उनकी राय के लिए उन्हें बुलाएँगे। लेखक को उनकी बात सुनकर अच्छा लगता है। उनकी सहमति पाकर दोनों युवक अपना काम शुरू कर देते हैं। इस बीच लेखक को किसी काम में लगा हुआ देखकर वे उनके सामने हस्ताक्षर के लिए एक कागज रख देते हैं। वे उनसे कहते हैं कि कागज में लिखी बातों को पढ़ने में केवल समय की बर्बादी होगी। इसलिए वे बस हस्ताक्षर कर दें। लेखक उनकी कही गई बातों पर विश्वास करके कागज पर हस्ताक्षर कर देते हैं। बाद में वे अखबार के दफ्तर से बुलावा आने की राह देखते रहते हैं।

बुलावा तो नहीं आता, पर एक दिन उन्हें एक विदेशी बैंक का क्रेडिट कार्ड मिलता है। खोजबीन करने पर उन्हें पता चलता है कि उन्होंने जिस कागज पर हस्ताक्षर किया था, वह उस विदेशी बैंक के क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन पत्र था। अखबार के आफिस से आए युवकों का इस विदेशी बैंक से कॉट्रैक्ट था। लेखक को बिना कागज पढ़े उस पर हस्ताक्षर करने की अपनी गलती का अहसास होता है।

## साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान [PAGE 18]

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 1 | Page 18

### QUESTION

जानकारी दीजिए:

राजेंद्र सहगल जी की साहित्यिक कृतियाँ।

### SOLUTION

- (1) हिंदी उपन्यास, तीन दशक (शोध प्रबंध)
- (2) असत्य की तलाश, धर्म बिका बाजार में (व्यंग्य संग्रह)

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 2 | Page 18

### QUESTION

जानकारी दीजिए:

अन्य व्यंग्य रचनाकारों के नाम।

### SOLUTION

हिंदी के अन्य व्यंग्य रचनाकारों के नाम इस प्रकार है:

- (1) श्रीलाल शुक्ल (2) हरिशंकर परसाई (3) के. पी. सक्सेना
- (4) रवींद्रनाथ त्यागी (5) शरद जोशी (6) शंकर पुणतांबेकर।

## साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान [PAGE 18]

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 1 | Page 18

### QUESTION

निम्नलिखित रस के उदाहरण दीजिए:

वीर

### SOLUTION

वीर रस : वीर रस के उदाहरण निम्नलिखित हैं :

- (1) दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।  
चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी।  
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,  
खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी।

(2) चला इंद्रजित अतुलित जोधा। बंधु निधन सुनि उपजा क्रोधा।।  
कपि देखा दारुन भट आवा। कटकटी गर्जा अरु धावा।।  
अति विशाल तरु एक उपारा। बिरथ कीन्ह लंकेश कुमारा।।  
रहे महाभट ताके संग्गा। गहि-गहि कपि मर्दइ निज अंग्गा।।  
तिनहि निपाति ताहिसन बाजा। भिरे जुगल मानहुँ गजराजा।।  
मुठिका मारि चढ़ा तरु जाई। ताहि एक छन मुरछा आई ।।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 2 | Page 18

## QUESTION

निम्नलिखित रस के उदाहरण दीजिए:

करुण

## SOLUTION

करुण रस:

(1) अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी।  
आँचल में है दूध और आँखों में पानी।।

(2) वह आता -  
दो-टुक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।  
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक चल रहा लकुटिया टेक  
मुट्टी भर दाने को, भूख मिटाने का  
मुह फटी झोली फैलाता।

(3) प्रियपति! वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है,  
दुख, जल निधि डूबी का सहारा कहाँ है!  
लख मुख जिसका मैं आज जी सकी हूँ,  
वह हृदय हमारा नयनतारा कहाँ है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान | Q 3 | Page 18

## QUESTION

निम्नलिखित रस के उदाहरण दीजिए:

भयानक

## SOLUTION

भयानक रस:

(1) उधर गरजती सिंधु लहरिया ।  
कुटिल काल के जालों-सी।  
चली आ रही फेन उगलती  
फन फैलाए व्यालों-सी ।

(2) हाट-बाट, कोट-ओट अटनि अगार पौरि।  
खौरि-खौरि दौरि-दौरि दीन्ही अति आगि है।  
आरत-पुकारत सम्हारत न कोऊ काहू  
व्याकुल जहाँ सो तहाँ लोग चले भागी हैं।

बालधी फिरावें, बार-बार झुरावे, झरे।  
बुंदिया-सी, लंक पिलाय पांगि-पांगि है।  
तुलसी विलोकि अकुलानि जातुधानी कहें,  
चित्रहू के कपि से निसाचर न लागि हैं।